

टोल गेट
Toll Gate
500 m

कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन जून के पहले हफ्ते में

EMERGENCY SERVICES
HELP DESK NO. 1023
AMBULANCE - 102
POLICE - 102
EXIT AT 65 KM

एक्सप्रेस
वे
का
उद्घाटन

Toll Gate 500m

2121 किमी से लंबा यूपी में तैयार हुआ एक्सप्रेसवे नेटवर्क, यूपी के 38 जिले एक्सप्रेस-वे से जुड़े

57 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश प्रस्ताव, एक्सप्रेसवे के किनारे बस रहा नया औद्योगिक यूपी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

मेरठ से प्रयागराज तक बने गंगा एक्सप्रेसवे के बाद अगले महीने कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होगा। लखनऊ से कानपुर तक बने इस एक्सप्रेसवे का काम पूरा हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक जून के पहले हफ्ते में इस एक्सप्रेसवे को जनता के लिए खोल दिया जाएगा, जिससे लखनऊ से कानपुर तक का सफर सिर्फ 40 मिनट में पूरा हो सकेगा। अब तक इस सफर में 3 घंटे का समय लगता है। इस एक्सप्रेसवे के बनने के बाद उन्नाव प्रदेश के उन चंद जिलों में शामिल हो जाएगा, जिनसे तीन-तीन एक्सप्रेस-वे होकर गुजर रहे हैं। उन्नाव से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे और लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे होकर गुजर रहे हैं। साथ ही प्रदेश के 38 जिलों में एक्सप्रेसवे का विस्तार हो जाएगा।

प्रदेश में विकसित हुआ एक्सप्रेसवे नेटवर्क : उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहे एक्सप्रेस-वे नेटवर्क के चलते देश के कुल एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का 60 प्रतिशत हिस्सा यूपी में है। अब तक प्रदेश में 2121 किमी लंबा एक्सप्रेसवे नेटवर्क विकसित हो चुका है। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद यह नेटवर्क करीब 2200 किलोमीटर लंबा हो जाएगा। इन एक्सप्रेसवे के बनने से प्रदेश के ज्यादातर

कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क

REST AND SERVICE AREA
2 Km

यूपी का नेटवर्क
प्रस्तावित नेटवर्क
कुल निवेश प्रस्ताव
डिफेंस कॉरिडोर निवेश
संभावित रोजगार

1624 किमी
983 किमी
57,148 करोड़
35,865 करोड़
55,653+

किन जिलों तक पहुंचे

आगरा, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, मेरठ, प्रयागराज, अयोध्या, गाजीपुर, चित्रकूट, बांदा, जालौन, गौतमबुद्ध नगर, सहारनपुर समेत पूर्वांचल, बुंदेलखंड और प.यूपी के 38 जिले एक्सप्रेस-वे नेटवर्क से जुड़े हैं।

हाईस्पीड कनेक्टिविटी के साथ निवेश की रफ्तार

प्रदेश में बन रहे एक्सप्रेसवे सिर्फ दिनों के सफर को घंटे में ही नहीं बदल रहे हैं, बल्कि निवेश की रफ्तार को भी तेज कर रहे हैं। एक्सप्रेसवे से जुड़ने के कारण जिलों की कनेक्टिविटी अच्छी हुई है, जिसकी वजह से निवेश की रफ्तार भी बढ़ी है। एक्सप्रेसवे के किनारे उद्योगों को विकसित करने के लिए 5300 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। निवेश के लिए राज्य सरकार को अब तक 1110 प्रस्ताव मिले हैं। झांसी, चित्रकूट, कानपुर, आगरा, अलीगढ़ और लखनऊ को जोड़ने वाले डिफेंस कॉरिडोर में 208 रक्षा उद्योगों के लिए समझौते हुए हैं, जिससे 35 हजार करोड़ निवेश और 55 हजार रोजगार की संभावना है।

यूपी के 5 सबसे बड़े एक्सप्रेसवे

- 1 गंगा एक्सप्रेसवे - 594 किमी
- 2 पूर्वांचल एक्सप्रेसवे - 341 किमी
- 3 आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे - 302 किमी
- 4 बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे - 296 किमी
- 5 यमुना एक्सप्रेसवे - 166 किमी



हिस्से हाईस्पीड कनेक्टिविटी से जुड़ गए हैं। आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गोरखपुर लिंक और गंगा एक्सप्रेसवे ने

पश्चिमी यूपी, पूर्वांचल और बुंदेलखंड को तेज कनेक्टिविटी से जोड़कर यात्रा समय काफी कम कर दिया है।

